i-NEXT PAGE 3

अब कसौटी पर कसी जाएंगी सीएसआर फंड की सुविधाएं

एलयू के समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को लखनऊ, आगरा और इटावा की सौंपी गई जिम्मेदारी

CONCEPT PIC

LUCKNOW (29 Apr): लखनऊ विश्वविद्यालय पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं की हकीकत जांचेगा. विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को लखनऊ, आगरा और इटावा की जिम्मेदारी सौंपी गई है. विभाग की टीम इन जिलों में जाकर फंड से किए गए कार्यों, उनकी उपयोगिता व लोगों को इससे मिलने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन करेगी. इसके बाद एक महीने में इसकी रिपोर्ट कारपोरेशन को भेजी जाएगी.

दो फीसद का सीएसआर

प्रोफेसर डीके सिंह ने बताया कि पावर ग्रिड कारपोरेशन अपने फायदे में से दो फीसद धनराशि सीएसआर में देता है. इससे लोगों की सुविधाओं के लिए विभिन्न कार्य कराए जाते हैं.

तीमारदारों को भी सुविधा

इसी फंड से किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में विश्राम सदन का निर्माण, मरीजों के साथ ही तीमारदारों के लिए रहने की व्यवस्था सहित तमाम सुविधाएं कराई गईं. साथ ही विभिन्न पैरामीटर पर इसका मूल्यांकन भी किया गया, जो सही पाया गया था. अब तीन और जिलों में मूल्यांकन की जिम्मेदारी मिली है. प्रो. डीके सिंह के साथ इस प्रोजेक्ट में सहायक परियोजना निर्देशक डा. रजनीश कुमार यादव व डा. संध्या भी शामिल हैं.

लखनऊ विश्वविद्यालय पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड के तहत लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं की हकीकत जांचेगा.

258 सबमर्सिबल पंप, बोरिंग व वाटर टैंक की होगी जांच

डॉ. रजनीश कुमार यादव ने बताया कि सीएसआर फंड से लखनऊ के विभिन्न वार्डों में 258 सबमर्सिबल पंप, बोरिंग व वाटर टैंक लगवाए गए थे. इसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है या नही इस पर भी बात होगी.

यहां भी जाएगी टीम

इस फंड से आगरा में पांच पंचायत घरों और चहारदीवारी के निर्माण पर 1.32 करोड़ खर्च किए गए थे. इस कारण अब यह भी देखा जाएगा कि इसके बनने से कितने लोगों को लाभ हो रहा है. इसी तरह इटावा में 1.45 करोड़ की लागत से सौ सबमर्सिबल लगाए गए थे. साथ ही बोरिंग का निर्माण भी कराया गया था. इसका भी टीम जायजा लेगी.

15 तक विभाग बताएंगे पीएचडी के लिए सीटें

LUCKNOW (29 Apr, inext): एलयू ने शैक्षिक सत्र 2021-22 के पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तैयारी शुरू कर दी है. कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर 15 मई तक विभागों से रिक्त नियमित एवं अंशकालिक सीटों का ब्योरा देने के लिए कहा है. सीटें विभागीय शोध समिति से संस्तुति कराकर प्रवेश समन्वयक को उपलब्ध करानी होंगी. साथ ही इसकी एक प्रति कुलसचिव कार्यालय में देनी होगी.विवरण में विभाग का नाम, नियमित व अंशकालिक सीट, सीटों की संख्या शामिल होना जरूरी है.

विजेताओं को दिए पदक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में चल रही चार दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धा स्पोर्ट्स ग्लोरी का शुक्रवार को समापन हो गया। इस अवसर पर अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार चौधरी मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने बास्केटबाल, वालीबाल, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन सहित अन्य इंडोर व आउटडोर खेल के विजेताओं को पदक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डीन विधि संकाय प्रो. सीपी सिंह, नवीन परिसर के निदेशक प्रो. बीडी सिंह, लखनऊ यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एंड कल्चर कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र, स्पोर्ट्स इंचार्ज डा. अनुराग तथा डा. अनुपमा, उग्रसेन वर्मा, अभिषेक व अमित राय उपस्थित रहे। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE I & III

प्लास्टिक कचरे को जैव उर्वरक में बदलेगा कवक

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

जागरण विशेष

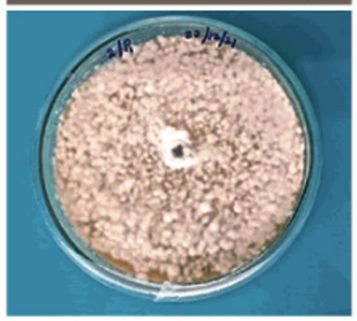

प्रयोगशाला में इन कवक के माध्यम से किया जाएगा शोध ● सौजन्य : स्वयं

पर्यावरण के लिए खतरा बने प्लास्टिक कचरे को अब कवक की मदद से जैव उर्वरक में बदला जा सकेगा। इस तकनीक को तैयार करने के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला को शोध प्रोजेक्ट मिला है। कवक और उसके मेटाबोलाइट्स का उपयोग कर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आधारित शोध कार्य के लिए 4,65,900 रुपये की राशि भी स्वीकृत हुई है। जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा।

देश में हर साल 1.5 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, लेकिन अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की अनुपलब्धता के कारण इसमें से सिर्फ एक चौथाई प्लास्टिक ही उचित पुनर्चक्रण (री-साइकल) हो पाती है। हाल में आई केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक देश में वित्तीय वर्ष 2019-20 में 34 लाख टन से अधिक और 2018-19 में 30.59 लाख टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ था।

नगर निगम के कूड़ाघर से लिया जाएगा प्लास्टिक कचरा : प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला बताते हैं कि इस शोध कार्य में नगर निगम के कचरा घर से प्लास्टिक कचरा लिया जाएगा। फिर इसे पालीथीन के पालीमर्स के आधार पर अलग-अलग वर्गीकृत किया जाएगा। एक खास विधि के माध्यम से कवक और उसके मेटाबोलाइट्स का उपयोग करते हुए प्लास्टिक को छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने पर यह एक कवक जनित जैव उर्वरक के रूप में तैयार होगा, जिसका प्रयोग पेड़-पौधों की वृद्धि के लिए किया जा सकेगा।

तैयार करेंगे तकनीक

प्लास्टिक कचरे की वजह से न केवल पृथ्वी पर बोझ बढ़ता चला जा रहा है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। इससे मिट्टी भी बंजर होती जा रही है। प्लास्टिक कचरे के निस्तारण और उपयोग के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के प्रोफेसर शोध कर तकनीक विकसित करेंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए एलयू तैयार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए तैयार है। भूविज्ञान विभाग और गणित विभाग ने इस चरण के लिए बड़े पैमाने पर समारोह शुरू किया है। प्रो मधुरिमा लाल संयोजक ने कहा कि कुलपति प्रो आलोक राय के संरक्षण में विश्वविद्यालय ने 6000 से अधिक छात्रों और 1000 से अधिक विशेषज्ञों के साथ सराहनीय रिकॉर्ड से तीसरे चरण का जश्न मनाया है।

PIONEER PAGE 4

पॉवर ग्रिड ने सीएसआर के तहत एलयू को दिये तीन प्रोजेक्ट

लखनऊ। सामाजिक दायित्वों के तहत पॉवर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया ने लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग को आंकलन के लिए तीन प्रोजेक्ट दिये हैं। कारपोरेशन की तरफ से प्रोजेक्ट के मुख्य निर्देशक के रूप में समाजकार्य विभाग के प्रो डीके सिंह व सहायक निर्देशक के रूप में डॉ रजनीश कुमार यादव व डॉ संध्या को नामित किया गया है। इससे पूर्व किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में सीएसआर फंड के तहत 7.6 करोड़ से निर्मित विश्राम सदन का निर्माण पॉवर ग्रिड कारपोरेशन की तरफ से किया गया था। इस विश्राम सदन में तीमारदार के रहने, खाने-पीने, वाशरूम, साफ-सफाई, सुरक्षा को लेकर उचित मूल्य निर्धारण को लेकर प्रोजेक्ट दिया था। जिसको लेकर ग्रिड कारपोरेशन की तरफ से प्रशंसा पत्र भी जारी किया गया है। एक दिन पूर्व की परफॉर्मेंस के आधार पर पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 3 और प्रोजेक्ट आवंटित दिये हैं।

एलयू में गठित होगा मेरीटोरियस स्टूडेंट काउंसिल, कुलपति ने दी मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मेरीटोरियस स्टूडेंट काउंसिल का गठन करेगा। इसको लेकर विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपनी सहमति दे दी है। काउंसिल में उन्हीं स्टूडेंट्स को मौका मिलेगा, जिन्होंने अपने कोर्स में टॉप किया है। इसके लिए स्टूडेंट्स को आवेदन करना होगा फिर स्क्रुटनी के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन इंटरव्यू लेगा। उसके बाद फाइनल सूची जारी करेगा। स्टूडेंट वेलफेयर डीन प्रो पूनम टंडन ने बताया कि मेरीटोरियस स्टूडेंट्स काउंसिल के लिए हाल ही में कुलपति के पास प्रस्ताव भेजा गया था। जिसके लिए अब जल्द ही आवेदन शुरू किए जाएंगे और आवेदन की तिथि जारी की जाएगी ताकि स्टूडेंट्स इसके लिए आवेदन कर सकें। टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही एक टीम का गठन किया था। जिसका नाम मेरीटोरियस स्टूडेंट काउंसिल है। पिछले साल से इसकी शुरुआत हुई थी, इस बार प्रस्ताव भी पारित हुआ है और अब आवेदन जल्द शुरू होंगे। मेरीटोरियस स्टूडेंट काउंसिल में एक प्रेसिडेंट, दो वाइस प्रेसिडेंट, एक जनरल सेक्रेटरी, दो ज्वाइंट सेक्रेट्री के अलावा साइंस रिप्रेजेंटेटिव, आर्ट रिप्रेजेंटेटिव, मीडिया सेक्रेटरी और स्पोर्ट्स सेक्रेटरी बनाया जाता है और यह जिम्मेदारी उनकी होती है कि वह किस तरह से विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए काम कर सकते हैं। सभी की अलग-अलग जिम्मेदारी होती है और सभी मेंबर सपना काम करते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ में मिशन शक्ति के तहत हो रहे कार्य

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए तैयार है। भूविज्ञान विभाग और गणित विभाग ने इस चरण के लिए बड़े पैमाने पर समारोह शुरू किया है। प्रो. मधुरिमा लाल संयोजक ने कहा कि कुलपति प्रो. आलोक राय के संरक्षण में विश्वविद्यालय ने 6000 से अधिक छात्रों और 1000 से अधिक विशेषज्ञों के साथ सराहनीय रिकॉर्ड से तीसरे चरण का जश्न मनाया है। उन्होंने कहा कि यह मिशन सरकार द्वारा निर्धारित विभिन्न नीतियों के साथ सुरक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, चिकित्सा शिविर, बालिका शिविर, एनसीसी एनएसएस योग शिविर आदि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

FIRST INDIA PAGE 13

MISSION SHAKTI, FOURTH PHASE

CITY FIRST

The University of Lucknow is preparing to commemorate the fourth phase of Mission Shakti, a government of Uttar Pradesh programme, under the active patronage of Prof Alok Kumar Rai, Vice-Chancellor, University of Lucknow. The Departments of Geology and Mathematics have planned a large-scale celebration for this phase. Prof Madhurima Lall Convenor said, "With over 6000 students and a 1000 experts contributing with different policies as laid down by the government by focusing on security, health, self-reliance, medical camps, girls camp, NCC NSS yoga camps, and various cultural activities competitions, the university has celebrated the third phase with commendable records."

In keeping with the theme, they want to celebrate phase four in several departments, with a variety of events planned in the most engaging way possible. Starting with the HOD of the Department of Mathematics, Prof Poonam Sharma, who has worked on the safety of female students, the HOD of the Department of Geology has invited experts such as ACP Gomtinagar, a senior journalist, as well as the founders of NGOs to help students advance in their careers.

JAGRAN CITY PAGE III

सीएसआर फंड की सुविधाओं का कितना मिला लाभ, होगी जांच

- **लखनऊ विश्वविद्यालय पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं की हकीकत जांचेगा। विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को लखनऊ, आगरा और इटावा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग की टीम इन जिलों में जाकर फंड से किए गए कार्यों, उनकी उपयोगिता व लोगों को इससे मिलने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन करेगी। इसके बाद एक महीने में इसकी रिपोर्ट कारपोरेशन को भेजी जाएगी।**
- **प्रो. डीके सिंह ने बताया कि पावर ग्रिड कारपोरेशन अपने फायदे में से दो फीसद धनराशि सीएसआर में देता है। इससे लोगों की सुविधाओं के लिए विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। इसी फंड से किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में विश्राम सदन का निर्माण, मरीजों के साथ ही तीमारदारों के लिए रहने की व्यवस्था सहित तमाम सुविधाएं कराई गईं। साथ ही विभिन्न पैरामीटर पर इसका मूल्यांकन भी किया गया, जो सही पाया गया था। अब तीन और जिलों में मूल्यांकन की जिम्मेदारी मिली है। प्रो. डीके सिंह के साथ इस प्रोजेक्ट में सहायक परियोजना निर्देशक डा. रजनीश कुमार यादव व डा. संध्या भी शामिल हैं।**

लखनऊ में 258 सबमर्सिबल पंप, बोरिंग व वाटर टैंक की होगी जांच: डा. रजनीश कुमार यादव ने बताया कि सीएसआर फंड से लखनऊ के विभिन्न वार्डों में 258 सबमर्सिबल पंप, बोरिंग व वाटर टैंक लगवाए गए थे। इसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है या नहीं इस पर भी बात होगी।

यहां भी जाएगी टीम: इस फंड से आगरा में पांच पंचायत घरों और चहारदीवारी के निर्माण पर 1.32 करोड़ खर्च किए गए थे। इस कारण अब यह भी देखा जाएगा कि इसके बनने से कितने लोगों को लाभ हो रहा है। इसी तरह इटावा में 1.45 करोड़ की लागत से सौ सबमर्सिबल लगाए गए थे। साथ ही बोरिंग का निर्माण भी कराया गया था। इसका भी टीम जायजा लेगी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अतिरिक्त शुल्क वसूली पर दिया धरना, कुलपति पहुंचे कॉलेज

लविवि से सहयुक्त इंस्टीट्यूट ऑफ आयुष मेडिकल साइंसेज का मामला

माई सिटी रिपोर्टर

कॉलेज जाकर सारे रिकार्ड देखे हैं। कॉलेज को सत्र में 2020-21 में शुल्क वृद्धि का अधिकार मिला है, जबकि सत्र 2018-19 के प्रवेशित हैं। इस मामले में कॉलेज को सत्रवार से मार्गदर्शन लेने को कहा है। छात्रों के फॉर्म फ्रावर्ड करने को कहा गया है और अटेंडेंस संबंधित डायरेक्टर लिये गए हैं। छात्रों के हित का पूरा ध्यान रखा जाएगा। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त इंस्टीट्यूट ऑफ आयुष मेडिकल साइंसेज, मोहनलालगंज के छात्रों से अतिरिक्त शुल्क वसूली के खिलाफ गुरुवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति कार्यालय का घेराव कर धरना दिया। इस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय कॉलेज पहुंचे और पूरी जानकारी लेने के बाद उचित खारीज का आश्वासन दिया। वहीं, लगभग घंटे भर चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर असिस्टेंट प्रॉक्टर ओपी शुक्ला को ज्ञापन रिसीव कराकर प्रदर्शन समाप्त कराया।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि बीएएमएस के विद्यार्थियों से दबाव बनाकर अतिरिक्त फीस ली जा रही है। अधिवेष अथवा प्रांत के प्रांत रह मंत्री रोहित सिंह ने कहा कि उक्त कॉलेज में 2018 बैच के विद्यार्थियों ने जब प्रवेश लिया था तब यहां की फीस कम बताई गई थी, लेकिन जब यह तीसरे वर्ष में पहुंचे तो उनसे 46 हजार अतिरिक्त फीस मांगी जा रही है। अतिरिक्त पैसे न जमा करने पर परीक्षा फॉर्म नहीं फारवर्ड कर रहे हैं और अटेंडेंस शार्ट कर दी गई है। प्रांत कार्यसमिति सदस्य प्रभव फौल सिंह ने कहा कि छात्रों ने 23 अप्रैल को भी प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया था। तब विवि प्रशासन ने दो दिन में समस्या के समाधान की बात कही थी, लेकिन एक सप्ताह बाद भी कुछ नहीं हुआ। छात्रों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रो. राय, डीन सीडीपी प्रो. अलोक कुमार आदि के साथ कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने कॉलेज अधिकारियों से बातें की और सभी पक्षों के बारे में जानकारी ली। कुलपति ने निर्देश दिया कि इस मामले में शासन से मार्गदर्शन लिया जाए और उसके अनुसार कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन में अध्यक्ष के नेतृत्व में सिद्धार्थ यादवी, अमन दुबे, मनोनी तुषकर, शौम्य रोहतगी, धावका मिश्र, आकाश मिश्र, आकांक्षा सिंह, उदयराज सिंह, अवनीश शुक्ल, नवीन चारणीक, अभीत श्रीवास्तव, सुधाकर पटेल, अभिनव सिंह आदि मौजूद रहे।